"कंठस्थ" में काम करना बहुत आसान

"करके तो देखिए"

-राजेश श्रीवास्तव
उप-निदेशक (रा.भा. एवं तकनीकी)

गूगल जैसे बहुत सारे प्लेटफार्म अनेक भाषाओं में आपको मशीनी अनुवाद उपलब्ध कराते हैं। मशीनी अनुवाद अच्छा या समय के साथ स्मार्ट तो हो सकता है लेकिन एकदम शुद्ध नहीं क्योंकि मशीन शब्दों के अर्थ बेतरतीब रूप से पकड़ती है जिससे अनेक बार अर्थ का अनर्थ हो जाने की संभावना रहती है। दूसरी तरफ दुनिया में SDL Trados या Wordfast जैसे स्मृति पर आधारित लोकप्रिय सॉफ्टवेयर हैं जो अपनी ओर से तो आपको कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं कराते लेकिन स्रोत और लक्ष्य भाषा के आपके द्वारा किए गए अनुवादों को अपनी स्मृति में रख लेते हैं और जब बिल्कुल वैसा ही या उनसे मिलता जुलता कोई अनुवाद भविष्य में फिर से आता है तो वे आपको आपका किया हुआ अनुवाद ही अपनी स्मृति से निकालकर दिखा देते हैं। इससे आपको बेहद सुविधा हो जाती है। आपको अपने पिछले अनुवाद को ढूँढना नहीं पड़ता, दोबारा से टाइप या अनुवाद नहीं करना पड़ता, यहाँ तक कि दोबारा से उसकी जाँच भी नहीं करनी पड़ती।

"कंठस्थ" भी ऐसी ही ट्रांसलेशन मेमोरी (TM) या स्मृति पर आधारित अनुवाद करने में सहायता देने वाला सॉफ्टवेयर/टूल है। इसे भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा सी-डेक,पुणे के सहयोग से तैयार कराया गया है। इन पंक्तियों के लेखक को इस सॉफ्टवेयर को विकसित करने में मदद करने वाली राजभाषा विभाग की तकनीकी टीम का सदस्य होने का गौरव प्राप्त हुआ। मेरा दायित्व मुख्य रूप से इस टूल की अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद सॉफ्टवेयरों से तुलना करना और उनमें उपलब्ध अनुवाद संबंधी विशेषताओं की जानकारी देना था ताकि उन जैसी विशेषताओं को हमारी सुविधाओं के अनुरूप इस सॉफ्टवेयर में भी शामिल किया जा सके। साथ ही, एकदम नए फीचर शामिल करके इसमें हमारी ज़रूरतों के अनुरूप विकल्प शामिल किए जा सकें। इन्हीं परिश्रमों का परिणाम था कि आज यह सॉफ्टवेयर माननीय प्रधानमंत्री जी के "**आत्मनिर्भर भारत**" एवं "**Vocal for Local**" का बेहतरीन उदाहरण बन गया है।

तकनीकी टीम का गठन वर्ष 2017 में हुआ था और उसकी तमाम बैठकों, सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों, फीडबैकों और प्रतिक्रियाओं के पश्चात अन्ततः इसका लोकार्पण 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में वर्ष 2018 में मॉरीशस में किया गया। यह किए गए सारे अनुवाद को द्विभाषिक रूप (अंग्रेजी-हिंदी या हिंदी-अंग्रेजी) मेंअपनी मेमोरी में रख लेता है और जब उससे मिलता-जुलता अनुवाद फिर से सामने आता है तो बता देता है कि उसके पास कितने ऐसे वाक्य हैं जो शत-प्रतिशत मेल खाते हैं और कितने ऐसे वाक्य हैं जो शत-प्रतिशत तो नहीं लेकिन 75 से 99 प्रतिशत तक मेल खाते हैं। शत-प्रतिशत से कम पर मिलने वाले अनुवादों को आंशिक अनुवाद (Fuzzy match) कहा जाता है। इनमें थोड़ा-सा संशोधन करने पर आपको शत-प्रतिशत सही अनुवाद मिल जाता है। जब यह अनुवाद सर्वर पर डाल दिया जाएगा तो सर्वर या ग्लोबल

मेमोरी के माध्यम से इसके सारे प्रयोक्ता किसी भी अन्य प्रयोक्ता द्वारा किए गए अनुवाद का भी लाभ उठा सकेंगे। इससे न केवल अनुवाद, टाइपिंग और वैटिंग (अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनुवाद की समीक्षा) में खराब होने वाला समय बचेगा बल्कि एक जैसे वाक्यों के लिए एक समान शब्दावली का ही बारंबार इस्तेमाल किया जा सकेगा।

इस सॉफ्टवेयर पर काम करना बहुत सरल है। कोई भी प्रयोक्ता जिसे कंप्यूटर पर किसी भी रूप में टंकण करना आता है, इस सॉफ्टवेयर पर बड़ी आसानी से काम कर सकता है। यह यूनिकोड के फोंट पर काम करता है और इसमें MS Word, Excel, PPT जैसी अनेक प्रकार की फाइलें खोलकर उनका अनुवाद किया जा सकता है।

यह सॉफ्टवेयर दोहराए जाने वाले अनुवादों के लिए बहुत मददगार है। सबसे बड़ी बात यह है कि जहाँ अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद सॉफ्टवेयरों की कीमतें ₹30-35 हजार से लेकर₹1,00,000/- या अधिक होती हैं, वहीं यह सभी के लिए एकदम नि:शुल्क है। यूं तो इस पर काम करने के तरीकों को लेकर 118 पृष्ठ का मैनुअल राजभाषा विभाग की साइट पर मौजूद है लेकिन हम इस पर काम करने के अत्यन्त महत्वपूर्ण टिप्स बेहद संक्षिप्त रूप में आपको प्रदान कर रहे हैं ताकि कोई भी नया प्रयोक्ता इसे पढ़कर इसका आसानी से प्रयोग कर सके। आइए **"कंठस्थ"** के ऑनलाइन संस्करण पर काम करना सीखते हैं।

(क) सबसे पहले पंजीकरण कराएं

1. सबसे पहले राजभाषा विभाग के होमपेज (https://rajbhasha.gov.in/) पर हिंदी ई-टूल्स में जाएं और वहाँ कंठस्थ पर क्लिक करें या फिर सीधे http://kanthasth-rajbhasha.gov.in/logout पर जाएं। आप गूगल पर सर्च करके भी **"कंठस्थ"** तक जा सकते हैं। यह सभी के लिए नि:शुल्क है।
2. खुलने वाले पृष्ठ में सबसे ऊपर दायीं ओर आपको About लिखा मिलेगा जिसे क्लिक करने पर आप **"कंठस्थ"** के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। दूसरा हिस्सा अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों यानि FAQs और Manual आदि के बारे में हैं। यहाँ आपको **"कंठस्थ"** के बारे में सारी जानकारियाँ मिल जाएंगी। यहाँ जाकर आपको सबसे पहले अपना पंजीकरण (Register) कराना है ताकि आप इस टूल के उपयोग के लिए अधिकृत उपयोगकर्ता बन सकें।
3. पंजीकरण पृष्ठ पर कोई अपना Username और Unique Password चुन लें। पासवर्ड 7 से 15 वर्णों का होना चाहिए। इसमें कोई एक संख्या और कोई एक Special character अवश्य डालें ताकि मज़बूत पासवर्ड बन सके।
4. अपने मंत्रालय या विभाग का नाम डाल दें। यदि आप अधीनस्थ कार्यालय हैं तो मंत्रालय/विभाग के ठीक नीचे उसके अंतर्गत आने वाले अपने कार्यालय का नाम चुन लें।
5. अपना मोबाइल नंबर और ईमेल पता डाल दें। ईमेल पता लिखते ही इसके ठीक नीचे आपको verify लिखा दिखाई देगा। जब आप verify पर क्लिक करेंगे तो एक OTP आपकी इस ईमेल पर आएगा जिसे आपको यहाँ लिखना है। एक सुरक्षा प्रश्न भी दिया गया है जिसे आपको दिए गए विकल्पों में से भरना है। पासवर्ड भूल जाने की स्थिति में यह सुरक्षा प्रश्न पासवर्ड हासिल करने या नया पासवर्ड बनाने में आपकी मदद करेगा।

6. अंत में अपना फोटो अपलोड कर दें, हालांकि फोटो अपलोड करना अनिवार्य नहीं है। इसके बाद एक Captcha दिखेगा जिसको लिखकर नीचे लिखे-पंजीकृत करें (Register) पर क्लिक करें। अब आपका पंजीकरण हो गया है।
7. अब आप अपने आईडी और पासवर्ड के साथ लॉगिन कर सकते हैं। जैसे ही आप लॉगिन करेंगे, बायीं ओर शीर्ष पर अपनी फोटो पर क्लिक करते ही सारे विवरण आपके सामने आ जाएंगे। यहाँ पर आपको अपना पासवर्ड बदलने का भी विकल्प दिया गया है।

(ख) कंठस्थ में काम कैसे करें

1. सॉफ्टवेयर खुलते ही आपको Home Page दिखाई देता है। यहीं से आपको अनुवाद कार्य की शुरुआत करनी है। इसे Editor Page भी कहा जाता है।
2. अनुवाद कार्य शुरु करने के लिए सबसे पहले आपको एक Project बनाना है। प्रोजेक्ट कुछ इस तरह ही होता है जैसे कि आपके कंप्यूटर पर D या E ड्राइव। इसके लिए मुख्य स्क्रीन पर बायीं तरफ पहले Project पर और फिर ऊपर की तरफ + के निशान के ठीक बराबर में फिर Create a New Project को क्लिक करें। प्रोजेक्ट को कोई नाम दे दें (मान लीजिए कि आपने यह नाम DoL लिखा है)। जैसे ही आप नाम लिखेंगे, DoL नाम का प्रोजेक्ट आपको बायीं तरफ प्रोजेक्ट के नीचे दिखाई देने लगेगा।
3. अब इस Project (DoL) के भीतर आपको एक Folder create करना है। इसके लिए पहले बायीं तरफ DoL पर क्लिक करें और फिर ऊपर की तरफ Tool Bar में + के निशान के ठीक बराबर में आपको दो बटन दिखाई देंगे, यहाँ पहले बटन Create a New Folder को क्लिक करें। बॉक्स खुलने पर Folder Creation नाम से एक बॉक्स खुलेगा जिसमें आपको फोल्डर का कोई नाम देना है। मान कर चलते हैं कि आपने फोल्डर को Translation नाम दिया है। यदि आप चाहें तो इसके नीचे इसका विवरण दे सकते हैं जो कि फोल्डर खोलने पर उसके सामने लिखा दिखाई देगा।
4. इसी बॉक्स में आपको बताना है कि आप किस प्रोजेक्ट के तहत इस फोल्डर को रख रहे हैं। आपने अभी-अभी DoL नाम से प्रोजेक्ट बनाया है, वह यहाँ अपने आप दिखाई देगा। इसका अर्थ यह होगा कि आप इस नए Translation फोल्डर को DoL नाम के प्रोजेक्ट के भीतर रख रहे हैं। आपको इसमें कुछ नहीं करना है, प्रोजेक्ट का नाम अपने आप दिखाई देगा।
5. यदि आप इससे पहले तीन-चार प्रोजेक्ट बना चुके हैं तो वे सभी यहाँ दिखाई देंगे। आप इनमें से जिसे चाहें, उसे चुन सकते हैं। फिलहाल हम यह मानकर चलते हैं कि आपने DoL नाम से केवल एक ही प्रोजेक्ट बनाया है और उसके भीतर आपने Translation नाम से फोल्डर बना लिया है।
6. अब इसी Folder Creation बॉक्स में आपको प्रोजेक्ट के नाम के ठीक नीचे Translation Memory लिखा दिखाई देगा अर्थात आपको एक Translation Memory (TM) बनानी है। यहाँ TM का अर्थ यह है कि आप **"कंठस्थ"** में जो कुछ भी अनुवाद करेंगे, वह सब इस TM में Save हो जाएगा जिसे आप भविष्य में कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यहाँ इसके

दो विकल्प दिखाई देंगे। **आप देखेंगे कि प्रोजेक्ट के नाम के ठीक नीचे दो आइकन बने हुए हैं। पहला है-Create TM और दूसरा है- Add Existing TM.**

7. **Create TM** का अर्थ है कि आप अपनी एक नई TM बनाएं। इसके लिए आपको **Create TM** पर क्लिक करना होगा। ऐसा करते ही एक बॉक्स खुलेगा जिसमें TM का नाम पूछा जाएगा। प्रोजेक्ट और फोल्डर की तरह इस TM को भी आप अपनी पसंद का कोई एक नाम दे दें। माना इस TM को आपने अपना ही नाम Rajesh दे दिया है तो इस प्रकार अब आपके पास RajeshTM है जो आपके सारे अनुवादों को अपनी मेमोरी में रखेगी।
8. इसके ठीक बराबर में दूसरा विकल्प **Add Existing TM** दिया गया है जिसका अर्थ है कि यदि आपने पहले से ही 2-3 या इससे ज्यादा TM बना रखी हैं। आप यहाँ क्लिक करके अपनी मर्जी से किसी भी TM को जोड़ सकते हैं। शुरुआती तौर पर आपको इसकी आवश्यकता नहीं होती है।
9. यदि आपने TM बनाने की इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया है या इस झंझट से बचना चाहते हैं तो By default एक TM आपकी **"कंठस्थ"**आईडी के नाम के साथ अपने आप सिस्टम में बन जाएगी और आपका सारा अनुवाद वहीं जाता रहेगा।
10. TM को भी जोड़ने के बाद अब इसी Folder Creation बॉक्स में आपको सबसे नीचे जाकर पहली बार वह फाइल ब्राउज़ करनी है जिसे आप अनुवाद करना चाहते हैं। ऐसा करने से पहले ज़रूरी है कि आप अनुवाद की जाने वाली फाइल को डेस्कटॉप या किसी ड्राइव में या अपने पेनड्राइव में कोई फोल्डर बनाकर रख लें ताकि ब्राउज़ करने पर आप उसे आसानी से ढूंढ सकें।
11. अब जहाँ Choose File लिखा हुआ है उसपर क्लिक करके आप अपनी फाइल को ब्राउज़ करें और नीचे दायीं तरफ CreateeFolder पर क्लिक कर दें।
12. ऐसा करते ही आपके द्वारा बनाए गए DoL नाम के Project के नीचे Translation Folder में आपकी फाइल दिखाई देने लगेगी। इस फाइल पर डबल क्लिक करते ही यह फाइल खुल जाएगी जो कि अनुवाद कार्य के लिए तैयार है।
13. आप देखेंगे कि फाइल के नाम के ठीक ऊपर **+** के निशान के अलावा, 11 आइकन दिखाए गए हैं जो क्रमश: इस प्रकार से हैं- Add files to the folder, Export folder, Add TM, Create TM, Download source file, Download translated file, Delete file, Share file, Split files, Merge files and Send file.
14. यह फाइल Segments के रूप में खुलेगी, बायीं तरफ अंग्रेजी के वाक्य होंगे और दायीं तरफ अनुवाद के लिए दिए गए खाली Segments दिखेंगे। फाइल खुलने पर यह सॉफ्टवेयर आपके अंग्रेजी वाक्यों को फाइल में प्रयोग किए गए विशेष चिह्नों जैसे dot (.), प्रश्नवाचक चिन्ह (?) तथा पूर्णविराम (।) आदि के आधार पर segments या वाक्यों में बाँट देगा। **"कंठस्थ"** में हम 10 शब्दों वाले एक वाक्य को एक TM मानते हैं।

15. प्रत्येक segment के सामने हिंदी अनुवाद करने के लिए खाली स्थान दिया गया है। इस स्थान में आप अनुवाद करते जाइए और उसके ठीक सामने दिए गए Commit के बटन को दबा दीजिए जिससे आपके द्वारा किया गया अनुवाद द्विभाषी रूप में सॉफ्टवेयर की मेमोरी में चला जाएगा।

16. आपके देखेंगे कि Editor Page में जहाँ यह फाइल खुली है, उसके ठीक ऊपर ✚ के निशान के अलावा, 21 आइकन दिखाए गए हैं जो फाइल को Save करने से लेकर उससे Exit करने तक के हैं और ये किसी MS Word file के Toolbar के निशानों की तरह ही हैं। अनुवाद करते समय आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। जिस भी बटन के ऊपर आप अपना कर्सर रखेंगे, वहाँ उस बटन का नाम दिखाई देने लगेगा।

17. यदि किसी segment का कोई वाक्य बहुत लंबा है तो आप अपनी मर्जी से उसे Split भी कर सकते हैं। इसके लिए कर्सर को उस स्थान पर रखें जहाँ से आप उस वाक्य को तोड़ना चाहते हैं और टूलबार में 2रे स्थान पर मौजूद आइकन यानि Split file को क्लिक कर दें। वाक्य Split हो जाएगा। इसी प्रकार आप दो वाक्यों को जोड़ भी सकते हैं। इसके लिए वाक्य के अंत में कर्सर रख कर यदि आप Merge का बटन क्लिक कर देंगे तो वहीं से अगला वाक्य उसमें जुड़ जाएगा।

18. आप एक **जाँचकर्ता या पुनरीक्षक अधिकारी** (वैटर) (Vetter) के रूप में फाइल को दो या तीन अनुवादकों में बाँटना चाहते हैं तो फाइल को भी Split कर सकते हैं। इसके लिए आपको पहले फाइल को सेलेक्ट करके ऊपर टूल बारमें Split File के बटन पर क्लिक करना होगा।

19. इसमें सबसे ऊपर Mark लिखा हुआ है। अब आपको जहाँ से फाइल Split करनी है, वहाँ अपना कर्सर रखिए और Mark को क्लिक कर दीजिए। यहाँ क्लिक करते ही एक लाल रंग की लाइन वाक्यों के बीच खिंच जाएगी।

20. जितनी जगह आप क्लिक करेंगे उतनी जगह से आपकी फाइल बँट जाएगी और सॉफ्टवेयर में इसे मूल फाइल के अलावा फाइल नं.1,2 या 3 के रूप में दिखाया जाएगा जिसे आप अपने अनुवादकों को ईमेल से Share कर सकते हैं। बाद में वे जब इन्हें अनुवाद करके आपको भेजेंगे तो तीनों के प्राप्त हो जाने पर आप Merge फाइल के विकल्प के साथ इन्हें आपस में मिला सकते हैं।

21. जिस भाषा से अनुवाद किया जाना हो उसे Source भाषा और जिस भाषा में अनुवाद किया जाता है उसे Target भाषा कहा जाता है। इस टूल में Source और Target-दोनों ही कॉलम editable हैं अर्थात आप दोनों में करेक्शन कर सकते हैं। Target को Source बनाने के लिए कॉपी-पेस्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

22. अनुवाद करते समय जैसे ही Fuzzy match (100 प्रतिशत से कम वाला अनुवाद) को सही करके आप Commit का बटन दबाएंगे, वैसे ही यह 100% match में बदल जाएगा। 100% match को अलग रंग से दर्शाया गया है।

23. Fuzzy match फिलहाल by default 75% पर रखा गया है लेकिन आप इसे Setting Editor नामक आइकन में जाकर इससे ऊपर या नीचे भी कहीं सेट कर सकते हैं। लेकिन जितना कम पर सेट करेंगे, वाक्य में उतने ही ज्यादा बदलाव करने होंगे। इसलिए बेहतर है कि यह 75 प्रतिशत पर या उससे ज्यादा पर ही सेट रहे।
24. फाइल खुलने पर आपको पहले पन्ने पर डिफॉल्ट रूप में केवल 10 प्रविष्टियाँ या वाक्य या segments ही दिखाई देंगी। बाकी अगले पन्नों पर चले जाएंगे। लेकिन Tool Bar में जहाँ 10 प्रविष्टियाँ लिखा है, वहाँ क्लिक करने पर आपको 10, 25, 50 और 100 की संख्या दिखाई देगी। इसका अर्थ यह है कि यदि आप 100 को चुन लेते हैं तो आपको पहले पन्ने पर 10 के स्थान पर अब 100 प्रविष्टियाँ दिखाई देने लगेंगी। सबसे नीचे आपको आपकी फाइल के कुल पृष्ठ दिखाई देंगे, यहाँ पर आप पृष्ठ संख्या टाइप करके सीधे किसी भी पन्ने पर जा सकते हैं।
25. Tool bar and Menu Bar – में कुछ शॉर्टकट keys हाल ही में जोड़ी गई हैं। अब आप Tab key को दबाकर Tool bar के एक-एक बटन पर बारी-बारी से आगे जा सकते हैं और Shift Tab key दबाने से एक बटन पीछे आ जाएंगे। इसके अलावा, इन कुँजियों का भी इस्तेमाल आप शॉर्टकट कुँजियों के रूप में कर सकते हैं-

    Shift + t : Translate all (सभी का अनुवाद)

    Shift + b : Bilingual Export (द्विभाषी निर्यात)

    Shift + d : Download Translated file (अनुवादित फाइल का डाउनलोड)

    Shift + q : Save and Exit (सेव एंड एक्ज़िट)

26. अनूदित फाइल को MS Word फाइल में अनूदित या द्विभाषी रूप में डाउनलोड किया जा सकता है। आप Downloads में जाकर इन फाइलों को देख सकते हैं। वैसे डाउनलोड की गईं सारी फाइलें आपके C drive में जाएंगी। यदि गूगल क्रोम की सेंटिंग में जाकर आप व्यवस्था कर देते हैं तो आप जहाँ चाहें वहाँ डाउनलोड कर सकते हैं।
27. द्विभाषी फाइल विशेष रूप से ऐसे अधिकारियों के लिए सहायक साबित होंगी जो सीधे कंप्यूटर पर काम नहीं कर सकते लेकिन द्विभाषी प्रिंट आउट में करेक्शन करके अपने अनुवादक को दे सकते हैं।
28. Share आइकन के साथ, आप अनूदित फाइल को ईमेल पर शेयर भी कर सकते हैं। 8वें स्थान पर बने आइकन पर पर क्लिक करके आप ईमेल के ज़रिए मूल या अनूदित या दोनों फाइलें किसी भी ईमेल पर भेज सकते हैं। आपको फाइल सलेक्ट करके केवल ईमेल पता डालना होगा। ईमेल पर ये फाइलें आपको rajbhasha-kanthasth@gov.in की मेल आईडीसे अपने मेल में प्राप्त हो जाएंगी।
29. आखिरी आइकन Send File के ज़रिए आप फाइल को उस व्यक्ति तक भेज सकते हैं जिनकी ईमेल आईडी इस आइकन के बराबर में बने बॉक्स में मौजूद हैं।
30. इस पृष्ठ के अंत में शीर्ष पर दायीं ओर जाकर आप लॉग आउट कर सकते हैं।

31. यदि आप अलग से कोई फाइल न खोलकर केवल एक दो या दो-चार वाक्यों का ही अनुवाद करना चाहते हैं तोhome page पर ही Instant Translation पर जाएं और अपने वाक्य को यहीं पेस्ट कर दें औरनीचे Open in Editor पर क्लिक कर दें तो यह सीधे जाकर Editor में खुल जाएगी जहाँ आप इसका अनुवाद सीधे कर सकते हैं।फाइल बनाने या अपलोड करने का किसी तरह का कोई झंझट नहीं।
32. Editor page पर Analysis नाम का एक बटन दिया गया है जिस पर क्लिक करने से यह आप किसी भी फाइल के बारे में सारा विश्लेषण जान सकते हैं।
33. एक विस्तृत शब्दकोश भी शामिल किया गया है जिससे आप मदद ले सकते हैं।
34. तीन तरह की थीम दी गई हैं-हरी, नीली और गुलाबी। **"कंठस्थ"** की स्क्रीन के लिए किसी को भी चुना जा सकता है।

(ग) अपनी TM को अपने वैटर को कैसे भेजे

1. आपके (अनुवादक) द्वारा किए गए कार्य को Global TM में भेजने के लिए आपको उसे पहले अपने Vetter यानि अपने जाँचकर्ता अधिकारी को भेजना होगा।
2. इसके लिए अपनी अनुवाद की गई फाइल को बंद करें और **होम पेज** पर **मेन्यू बार** में **Show TM** पर क्लिक करें। यहाँ वे सारी TM आपको दिखाई देंगी जो आपने अब तक बनाई हैं-चाहे एक या अनेक।
3. अब आपको अपने अधिकारी को भेजी जाने वाली TM का चयन उस पर डबल क्लिक करना होगा जिससे आपकी TM खुल जाएगी। आपके द्वारा अनुवाद किए गए सारे वाक्य या TM दिखाई देने लगेंगे।
4. इन सबको select कर लीजिए। फिर इस पेज पर Vetter की सूची से अपने Vetter का चयन कर टूल बार में **Send to Vetter (वैटर को भेजे)** पर क्लिक कर दें।
5. Vetter की सूची में आपको केवल अपने मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सारे वैटर आपको दिखाई देंगे। अब आपके द्वारा select की गई TM वैटर को भेज दी गई है । ध्यान रखें, आपको TM को अपने वैटर को भेजना है, फाइल को नहीं।

(घ) अपनी TM को अपने **Global TM** में कैसे भेजे

1. कंठस्थ के सैंट्रल सर्वर (Global TM) पर डेटा अपलोड करने के लिए मंत्रालय/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों द्वारा नामित किए गए अधिकारियों को ही जांचकर्ता (vetter) के रूप में राजभाषा विभाग द्वारा अधिकृत किया जाता है। अनुवादकों को ये सारे नाम दिखाई देंगे।
2. जिन यूजरों को जाँचकर्ता के रूप में अधिकृत किया गया है, केवल उनको ही यह अधिकारी दिया गया है कि वे किए गए अनुवाद को Global TM पर भेज सकते हैं। अनुवादकों को यह अधिकार नहीं दिया गया है, हालांकि जिन उपक्रमों/बैंकों आदि में एक ही व्यक्ति अनुवादक और वैटर-दोनों है, उन्हें अनुरोध करने पर यह अधिकार दिया जाता है।

3. वैटर को अपने Menu Bar में **Review (समीक्षा)** नामक एक बटन दिखाई देगा। इस पर क्लिक करने से वैटर को अपने अनुवादक से प्राप्त हुई TM उसकी कंठस्थ आईडी के साथ दिखाई देती है । इस पर क्लिक करने से उसके द्वारा भेजी गई TM आपको दिखाई देने लग जाएगी।
4. Menu Bar में **Notification** नामक एक बटन भी दिया गया है, अनुवादक द्वारा सामग्री भेजे जाने पर वैटर को यहाँ भी संदेश मिलेगा और **Notification** के ठीक बराबर में दिया गया सफेद वृत्त लाल हो जाएगा जो इस बात का संकेत है कि कोई संदेश प्राप्त हुआ है।
5. अब यदि वैटर चाहे तो वाक्य में संशोधन करके उसके साममने दिए गए Update के बटन से उसे अपडेट कर सकता है। अनुवाद से संतुष्ट हो जानने पर उस सारे अनुवाद को select कीजिए जिसे आप ग्लोबल टी एम पर भेजना चाहते हैं।
6. इसके बाद टूल बार में Commit all to Global पर क्लिक करने पर वह सारा अनुवाद Global TM में चला जाएगा। ग्लोबल TM में भेजे जाने के बाद वैटर को वे प्रविष्टियाँ अब अपनी स्क्रीन पर दिखाई नहीं देंगी लेकिन अनुवादक को संदेश मिल जाएगा कि उसकी कितनी प्रविष्टियाँ Global TM में भेज दी गई हैं।
7. ध्यान दें कि TM को Global TM में भेजे जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता या भेजी जा चुकी प्रविष्टियों में संशोधन नहीं किया जा सकता।
8. इसलिए बहुत ज़रूरी है कि Global TM में अनुवाद भेजने से पहले दोनों स्तरों पर (अनुवादक और अधिकारी) उसकी अच्छी प्रकार से जाँच-पड़ताल कर ली जाए।
9. **"कंठस्थ"** में यह यह भी सुविधा है कि यदि कोई वैटर किसी segment or segments को आगे भेजने लायक नहीं समझता तो वह उन्हें select करके reject कर सकता है। वे वापस अनुवादक के पास चली जाएंगी।
10. सबसे बड़ी बात ये है कि वैटर जिस भी वाक्य में जो भी करेक्शन करेगा, वे सारे अनुवादक की TM में अपने आप हो जाएंगे और अनुवादक को इसकी जानकारी भी मिल जाएगी।

इसीलिए तो कहता हूँ- कंठस्थ में काम करना बहुत आसान- करके तो देखिए।

*****

गृह मंत्रालय (रा.भा. विभाग),
एनडीसीसी भवन, नई दिल्ली-110001
(मोबाइल-9891358585)